Class V H·HINDI

Ch- 1

उ० 1→ कवि शक्ति इसलिए माँग रहे हैं, कि वे कर्तव्य मार्ग पर डटे रहें।

उ० 2→ कवि दीन-हीन और निर्बलों-विकलों के संताप हरने की बात कह रहे हैं।

उ० 3→ हम अपने देश के लिए अपनी जान न्यौछावर कर सकते हैं।

उ० 4→ यह प्रार्थना "श्री मुरारी लाल शर्मा 'देशबंधु'" ने लिखी है।

उ० 5→ जीवन को सफल बनाने के लिए परोपकार, सहयोग की भावना जैसे गुणों का विकास करना होगा।

उ० 6→ कवि छल, दंभ, द्वेष, पाखंड-झूठ जैसे दुर्गुणों से दूर रहना चाहते हैं।

उ० 7→ दीन-दुखियों की सेवा करके उनके कष्टों को दूर किया जा सकता है।

उ० 8→ कवि अपनी आन-बान, मर्यादा का ध्यान रखना चाहता है।

उ० 9→ प्रार्थना मनुष्य में दया, ममता, परोपकार, सहयोग जैसे गुणों का विकास करने का संदेश देती है।

Scanned with CamScanner